Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
October to December 2025, E-Journal, Vol. I, Issue LII (52), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

महिला सशक्तिकरण एवं कौशल विकास

माया कनासे*

* सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) स्वामी अमूर्तनंद शासकीय महाविद्यालय, अंजड़, जिला बड़वानी (म.प्र.) भारत

शोध सारांश – सशक्तिकरण एक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से जागरूकता कार्यशीलता, बेहतर नियंत्रण के प्रयास के द्वारा व्यक्ति अपने विषय मैं निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होता है और सक्रिय भागीदारी में विश्वास रखता है देश के आर्थिक विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना अति आवश्यक है महिलाओं को कौशल पूर्ण बनाने का अर्थ महिलाओं को रोजगार प्रदान करना ही नहीं होना चाहिए बल्कि उनके द्वारा प्राप्त कौशल में गुणात्मक सुधार कर उनके कार्य प्रदर्शन को बेहतर तथा उत्पादक बनाना है कौशल विकास महिलाओं के लिए रोजगार तो उपलब्ध कराता है साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति को भी सशक्त करता है भारत जैसे विकासशील देश में जहां कार्य शक्ति में महिलाओं की भागीदारी की निम्न दर एवं लैंगिक असमानता जैसी समस्याएं वर्तमान में विद्यमान है एवं एक चिंता का विषय है महिलाओं को कौशलपूर्ण एवं सशक्त बनाकर इस समस्या का समाधान निकाला जा सकता है ।कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को रोजगार स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसर प्राप्त होते हैं,जिससे वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र और सशक्त बनती है।

शब्द कुंजी – कौशल विकास ,महिला सशक्तिकरण ,आर्थिक विकास, रोजगार।

प्रस्तावना – किसी भी देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है, कौशल विकास द्वारा महिला सशक्तिकरण यह दोनों देश के समावेशी तथा संतुलित विकास हेतु आवश्यक है, महिलाओं की भागीदारी एक परिवार और समाज के विकास में हमेशा महत्वपूर्ण रही है। पिछले कुछ दशकों से महिलाओं की कार्य स्थल से जुड़ी भूमिका में परिवर्तन आया है वर्तमान में हमारा संविधान महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार प्रदान करता है लेकिन कार्यस्थल पर महिलाओं से भेदभाव, मजदूरी दर में भिन्नता, निम्न महिला भागीदारी आदि समस्याएं आज भी पाई जाती है कार्य स्थल पर अधिकांश महिलाएं कार्य से जुड़े कौशलों में पूर्ण रूप से प्रशिक्षित नहीं है यही कारण है कि महिला अपने अधिकार को लेकर संगठित नहीं हो पाती है इस स्थिति के लिए सामाजिक एवं आर्थिक दोनों कारण जिम्मेदार है। महिलाओं की स्थिति में सुधार आवश्यक होगा परंतु इसके लिए उनके कार्य उत्पादकता में सुधार होना जरूरी है, महिलाओं से जुड़ी समस्याएं जैसे लैंगिक भेदभाव, लैंगिक आधार पर वेतन में भी विसंगतिया लैंगिक आधार पर पदो का बंटवारा तभी दूर हो पाएगा जब महिलाओं के कौशल विकास की दिशा में सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे।

महिला सशक्तिकरण एवं कौशल विकास – किसी भी समाज एवं देश के विकास एवं वृद्धि के लिए उस समाज एवं देश की महिलाओं को शिक्षित एवं कौशलपूर्ण होना बहुत ही आवश्यक है। एक महिला शिक्षित होने से दो परिवार शिक्षित होते हैं और एक महिला के कौशलपूर्ण होने से सामाजिक परिवर्तन होता है। आर्थिक विकास और वृद्धि में महिलाओं की भूमिका प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से हमेशा महत्वपूर्ण रही है। जब उन्हें अवसर प्राप्त नहीं होते थे तब वह घर की चार दिवारी तक ही सीमित रहती थी लेकिन शिक्षा के विस्तार से कौशल विकास से घर और बाहर दोनों कार्यों को कुशलता से सफल प्रयास कर रही है किंतु यह भी सत्य है कि अधिकांश महिलाएं आज भी अकुशल है।

कौशल विकास के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करना है एवं उनके कार्यों भागीदारी में उत्पादकता तथा कुशलता में वृद्धि सुनिश्चित करेगा। आज समय की मांग है कि महिलाएं निम्नलिखित कौशल ज्ञान प्राप्त करें। जैसे – संचार कौशल, नेतृत्व कौशल, समय प्रबंधन कौशल, सामूहिक संघ कार्य कौशल, निर्णय शक्ति कौशल, रचनात्मक कौशल, समस्या निवारण कौशल, प्रबंधन कौशल, लेखांकन कौशल,कंप्यूटर आधारित कौशल, नेटवर्किंग कौशल, व्यवहारिकता कौशल, आचार नीति एवं अखंडता कौशल आदि ।

सशक्त महिला वही है जो आर्थिक रूप से समृद्ध है महिला आर्थिक रूप से तभी समृद्ध होगी जब वह शिक्षित होगी, प्रशिक्षित होगी तथा कौशल विकास होगा। इसके लिए गांव तथा शहर के स्कूल को में पाठ्यक्रम में प्रारंभ से ही कौशल ज्ञान को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ऐसी शिक्षा जो रोजगार दिलाए कौशल निर्माण को बढ़ावा दे बच्चों को विशेष रूप से बालिकाओं को प्रदान करना चाहिए, यही बालिकाएं भविष्य में सशक्त होंगी ना केवल आर्थिक रूप से बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी ।कौशल पर महिलाओं का भी पुरुषों के समान अधिकार है।

जैसे:–

1. दीनदयाल उपाध्याय ग्राम कौशल योजना।
2. ग्रामीण आजीविका मिशन।
3. यप्रधानमंत्री कौशल विकास योजना।
4. यएजेंसी राष्ट्रीय कौशल विकास।
5. कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय।

सरकार बड़े स्तर पर कौशल विकास को प्रोत्साहन दे रही है सरकार का यह प्रयास है कि महिलाएं अधिक से अधिक इन योजनाओं तथा स्कीम का लाभ उठा सके। सरकार के कार्यक्रम जैसे मेक इन इंडिया, स्टैंड अप इंडिया स्टार्टअप इंडिया का उद्देश्य रोजगार सृजन करके कौशल विकास करना है ताकि महिला सशक्त हो और देश के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे सके। सरकारी प्रयास तथा कार्यक्रम जैसे मेक इन इंडिया आदि में महिला उद्यमियों की भागीदारी बहुत संतोषजनक रही है।

समस्याएं – कौशल विकास द्वारा महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने में समस्याएं कम नहीं है:

1. सामाजिक समस्या
2. आर्थिक समस्या
3. राजनीतिक समस्या
4. प्रशिक्षण की समस्याएं

हमारा भारतीय समाज आज भी पुरुष प्रधान समाज है। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, समान स्थान आदि चिंता का विषय है। लड़का – लड़की की शिक्षा अधिकारों को लेकर विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी स्थिति गंभीर बनी हुई है ऐसे में व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास का लक्ष्य बहुत असंभव तो नहीं परंतु कठिन आवश्यक लगता है। यही नहीं आर्थिक असमानताएं भी बहुत है, जैसे महिलाओं को कम वेतन प्राप्त होना आदि सरकार प्रयास आवश्यक करती है, परंतु अपने द्वारा प्रारंभ किए गए कौशल विकास के कार्यक्रम का मूल्यांकन और प्रभावित रहता है। महिलाएं कौशल विकास के कार्यक्रमों से कितना लाभान्वित हो पाई है कितना सशक्त हो पाई है यह भी एक प्रश्न है हमारी महिलाएं जो ग्रामीण क्षेत्रों में रह रही है उनका प्रतिशत शहरी क्षेत्र में रहने वाली महिलाओं से अधिक है। उन्हें प्रशिक्षण देना सरल नहीं है क्योंकि अशिक्षा, गरीबी आदि बाधा पहुंचाते हैं। ऐसा नहीं है सरकारी या गैर सरकारी प्रयास नहीं हो रहे परंतु सफलता दर अभी भी बहुत संतोषजनक नहीं है। कौशल विकास की लागत भी कभी–कभी प्राप्त होने में बाधा पहुंचती है। तकनीकी ज्ञान का अभाव भी समस्या उत्पन्न करता है। हमारे देश में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण केन्द्रो की कमी पाई जाती है।

सुझाव – बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, महिला व्यावसायिक तथा तकनीकी शिक्षा को प्रोत्साहन, लैंगिक संवेदनशीलता, प्रशिक्षण केंद्रों का विस्तार, वित्तीय प्रबंधन महिला उद्योगीता का विकास, डिजिटल प्लेटफार्म का विस्तार, रोजगार अवसरों में वृद्धि ।यह सत्य है कि सशक्त महिला वही है जो आर्थिक रूप से समृद्ध है महिला आर्थिक रूप से तभी समृद्ध होगी जब शिक्षित होगी प्रशिक्षित होगी तथा कौशल विकास होगा इसके लिए गांव तथा शहर सभी जगह प्रयास करने की आवश्यकता ।

निष्कर्ष – यह सत्य है कि वर्तमान में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ स्कीम,लाड़ली बहना योजना, सिलाई मशीन वितरण योजना, सरकार द्वारा चलाई गई कई स्कीमें सफलता से आगे बढ़ रही है परंतु यह भी आवश्यक है कि बेटी को बचाना और पढ़ाना और फिर उस को रोजगार दिलाना है महिला सशक्तिकरण तभी संभव है जब महिला शिक्षित होंगी प्रशिक्षित होगी एवं सरकार का उद्देश्य वित्तीय समावेश है लेकिन यह पूर्ण रूप से तभी सफल होगा जब महिला कौशल का विकास होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यदि तुलना करें तो भारतीय महिलाओं की भागीदारी और कौशल निर्माण एवं विकास बहुत संतोषजनक नहीं है लेकिन कौशल विकास के नए कार्यक्रम सरकार तथा निजी क्षेत्र की कौशल निर्माण मैं उस की भागीदारी अनुसंधान तथा विकास कार्यक्रम वित्तीय समावेश आदि महिला सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक योगदान देंगे। कौशल भारत कार्यक्रम के अंतर्गत 35,00,000 महिलाओं को कौशल प्रदान किया गया है जो वर्तमान में नए भारत का निर्माण में सकारात्मक योगदान दे रहा है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. श्रम एवं रोजगार मंत्रालय 2012 वार्षिक रिपोर्ट भारत सरकार।
2. 2011 राष्ट्रीय कौशल विकास निगम।
3. 2012 कौशल मामले में न्यूजलेटर अंक मार्च 2012. राष्ट्रीय कौशल विकास निगम।
4. किशोर एस एवं गुप्ता के– भारत में लैंगिक समानता तथा महिला सशक्तिकरण।
5. ग्लोबल इकोनॉमिक फोरम द्वारा जारी ग्लोबल जेंडर रिपोर्ट 2021

****